

(20 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2021 )

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न कार्यालयों में कर्मचारियों को कर्तव्यों के कुशल प्रदर्शन के लिए तैयार करना था।

श्री के. थोमस जॉब, उप महानिरीक्षक(प्रशिक्षण), आसुअ, केरिपुबल ने पाठ्यक्रम के समापन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने संबोधन में पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे एक प्रभावी स्टाफ अधिकारी बनें।



श्री एम एल कुमावत, भापुसे (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।

लगातार अगले पृष्ठ- 02 पर---



श्री कृष्ण मोहन, भाप्रसे (सेवानिवृत्त), "भावनात्मक खुफिया, कमियों, व्यवहार और बॉस प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री पंकज मठपाल, वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञ, "वित्तीय प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



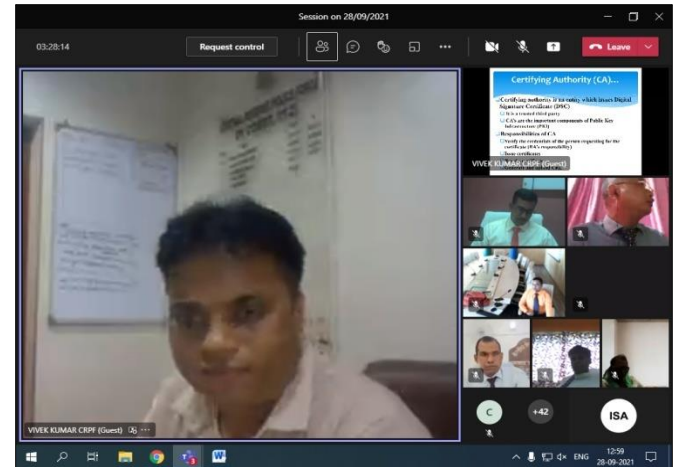
श्री संजय पूनिया, उप समादेष्टा, आसुअ, केरिपु बल, "पुस्तकालय अध्ययन" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. विक्रान्त एस. तोमर, निदेशक, यूएमएस, भारत, "प्रेरक तकनीकों और उच्च प्रदर्शन टीमों का निर्माण" पर एक व्याख्यान देते हुए।



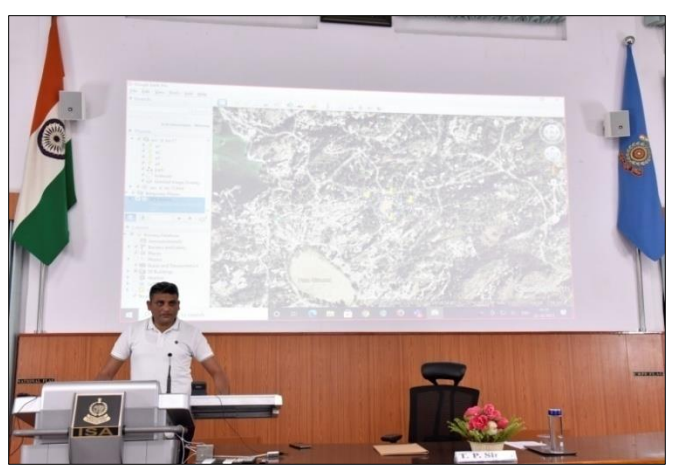
श्री बीपी सिंह, उप महानिरीक्षक(कल्याण ), महानिदेशालय, केरिपुबल, "बजट की तैयारी, उपयोग और निगरानी" बीई, आरई की तैयारी"पर व्याख्यान देते हुए।



श्री विवेक कुमार, उप समादेष्टा (आईटी) महानिदेशालय, केरिपुबल, "सेलो-अवलोकन, पीआईएस डेटा और इन्वेंटरी प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री डी.एस. राठौर, उप महानिरीक्षक (प्रशासन) आं.सु.अ., एक ऑनलाइन आंतरिक सत्र में "प्रावधान मामलों पर चर्चा" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री टी.पी.सिंह, डीसी (प्रशि.), आं.सु.अ., "गूगल पर संचालन योजना" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, "सोशल मीडिया और हनी ट्रैप का उपयोग" पर व्याख्यान देते हुए।



प्रो. अनंत प्रभु, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, "साइबर सुरक्षा - इंटरनेट सुरक्षा, मोबाइल सुरक्षा और डेटा सुरक्षा" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री अशोक स्वामी, समादेष्टा, आरटीसी, आवडी"सीआरपीएफ में प्रशिक्षण समारोह का प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री मयंक सिंह, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस, "मीडिया प्लानिंग, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को कैसे इंटरैक्ट और ब्रीफ करें" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री अरुण कुमार, निदेशक / महानिरीक्षक, आं.सु.अ., "स्टाफ अधिकारियों की चुनौतियां" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री प्रेम चंद, समादेष्टा (प्रशा./प्रशि.), आं.सु.अ., "राजभाषा के रूप में राजभाषा के कार्यान्वयन" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री के. थोमस जॉब, उप महानिरीक्षक(प्रशिक्षण), आसुअ, केरिपुबल द्वारा समापन ।